UPGK060024842022

न्यायालय सिविल जज (जू०डि०), गोरखपुर

मूलवाद संख्या---------1945/2022

धर्मेन्द्र गिरी—बनाम---लक्ष्मीकान्त वगैरह

दिनांक-16.07.2025

पत्रावली पेश हुयी। पुकार पर उभय पक्ष अनुपस्थित और न ही कोई स्थगन प्रार्थना-पत्र ही प्रस्तुत है।

पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि पत्रावली पैरवी में नियत है। उभय पक्ष को कई बार अंतिम अवसर दिया गया, ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें वाद चलाने में कोई रूचि नही है। अतः यह वाद उभय पक्ष की अनुपस्थिति के परिपेक्ष्य में खारिज किये जाने योग्य है।

आदेश

वाद, उभय पक्ष की अनुपस्थिति में खारिज किया जाता है। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

सिविल जज (जू०डि०)
गोरखपुर
J.O. C0de– 3299